The Hawk
17-9-2021

World Ozone Day Celebrated At Forest Research Institute

Dehradun (The Hawk): Forest Research Institute (Deemed to be University), Publicity and Liaison Office and ENVIS Resource Center of FRI Dehradun virtually celebrated World Ozone Day 2021. Shri Arun Singh Rawat, Director General, ICFRE and Chief Guest during his opening remarks emphasized about the importance of the ozone layer and its role in protecting the Earth from the harmful portion of the rays of the sun, thus helping preserve life on the planet. He also described that the United Nations General Assembly, in 1994, declared 16th September as the International Day for the Preservation of the Ozone Layer/ World Ozone Day. This day marks the signing of the Montreal Protocol on Substances that deplete the Ozone Layer in 1987. This year, the theme of World Ozone Day is 'Montreal Protocol - keeping us, our food and vaccines cool'.

To commemorate this significant day, a special lecture was delivered by Prof. Pradhan Parth Sarthi, Department of Environmental Science, Central University of South Bihar, Gaya, Bihar on 'Current situation of the ozone layer and the need to preserve it'. He summarized the structure of the ozone layer and the variation in the ozone across different months of the year. He elaborated the importance of the ozone layer with his presentation and rendered a basic understanding of the significance of preserving it for future generations. Prof Parth Sarthi also presented a case study of ozone concentration in Bihar, which his research group conducted.

On this occasion, online painting and essay writing competitions were also organized for Kendriya Vidhyalaya and Navodaya Vidhyalaya school students of Dehradun district under two categories i.e., (Class XI-X) and (Class XI-XII) and 75 students participated in these competitions.

In the essay writing contest Bhuwan Verma, Class IX from KV No. 2 Survey of India, Dehradun begged the first prize, Mansi, Class X student of KV IIP Dehradun and Bhoomika Gupta Class X student of KV IMA Dehradun, won second and third prizes in category 1 (Class IX-X). In this event's category 2 (Class XI-XII), Ms. Avantika Rana Class XI from KV No. 2 SOI, Vijaylaxmi Pancholi, Class XII student of KV FRI Dehradun and Gaurav Singh, Class XI student of KV ONGC Dehradun, won first, second and third prizes respectively.

In the painting competition, Ms. Sristhi Singh, a class IX student from Jawahar Navodaya Vidyalaya Dehradun, won the first prize. Ms. Saloni Panuli, Class IX student from KV No. 2 SOI, Dehradun secured the second position, and Vedansh Yadav, Class X student of KV IIP Dehradun, won the third prize in category-1. In category 2 (Class XI-XII), Aman Kumar Prajapati, a Class - XI student from Jawahar Navodaya Vidyalaya Dehradun, got the first painting award. Ms. Twinkle Dimri, Class XI student from KV No. 1 SOI, Dehradun secured second position and Aryan Gupta, Class XI student of KV ONGC Dehradun, won the third prize in this category.

The program was conducted by Dr. H.S. Ginwal, Dean (Academic), FRI (Deemed to be University) and Dr. Vijender Panwar Coordinator ENVIS and attended by the DDGs, ADGs, Sh. AK Tripathi, Registrar FRI University, Heads of the Divisions, Scientists of ICFRE/FRI, FRIDU students of M.Sc./ Ph.D., and KVS/NVS.

Amar Ujala
17-9-2021

परिचर्चा

विश्व ओजोन दिवस पर वन अनुसंधान संस्थान में सेमिनार का आयोजन

ओजोन परत से ही पृथ्वी पर जीवन संभव

माई सिटी रिपोर्टर

देहरादून। वन अनुसंधान संस्थान के प्रचार एवं जनसंपर्क विभाग और एनविस रिसोर्स सेंटर के तत्वावधान में विश्व ओजोन दिवस मनाया गया। संस्थान निदेशक व आईसीएफआरई के महानिदेशक अरुण सिंह रावत ने ओजोन परत के महत्व व सूरज की हानिकारण किरणों से पृथ्वी की रक्षा करने में ओजोन परत की भूमिका पर प्रकाश डाला।

निदेशक अरुण सिंह रावत ने कहा कि ओजोन परत के कारण ही पृथ्वी पर जीवन संभव है। ओजोन परत सूरज की उच्च पराबैंगनी किरणों को 90 से 99 फीसदी तक अवशोषित करती है। कहा कि ओजोन परत साल दर साल नष्ट हो रही है, जो चिंता का विषय है। ओजोन परत के संरक्षण को लेकर ही विश्व ओजोन दिवस मनाने का संकल्प लिया गया। सेमिनार में दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय के पर्यावरण विज्ञान विभाग के प्रो. प्रधान पार्थसारथी ने ओजोन परत की वर्तमान स्थिति और इसे संरक्षित करने की आवश्यकता पर बल दिया। कहा कि आने वाली पीढ़ियों का जीवन सुरक्षित हो इसके लिए हमें ओजोन परत के संरक्षण में अपना हर संभव योगदान देना होगा। सेमिनार में अनुसंधान संस्थान के डीन डॉ. एचएस गिनवाल, डॉ. विजेंद्र कुमार, केके त्रिपाठी समेत बड़ी संख्या में वैज्ञानिक, अधिकारी व विवि के शोधार्थियों ने हिस्सा लिया।

निबंध लेखन में पवन, अवंतिका ने मारी बाजी

वन अनुसंधान संस्थान की निबंध लेखन प्रतियोगिता में 9वीं-10वीं के लिए हुई प्रतियोगिता में पवन शर्मा पहले, मानसी दूसरे और मोनिका गुप्ता तीसरे स्थान पर रहीं। वहीं, 11वीं और 12वीं में अवंतिका राणा पहले, विजयलक्ष्मी पंचोली दूसरे और गौरव सिंह तीसरे स्थान पर रहे। नौंवी व दसवीं की चित्रकला प्रतियोगिता में सृष्टि सिंह पहले, सलोनी पनौली दूसरे और वेदांश यादव तीसरे स्थान पर रहे। 11वीं और 12वीं के छात्रों के लिए आयोजित प्रतियोगिता में अमन कुमार प्रजापति पहले, ट्विंकल डिमरी दूसरे और आर्यन गुप्ता तीसरे स्थान पर रहे।

शताक्षी व स्पर्श बने सर्वश्रेष्ठ वक्ता

देहरादून। उत्तरांचल विवि की विधि संकाय लॉ कॉलेज देहरादून व गढ़वाल राइफल की 127 इंफैंटरी बटालियन के संयुक्त तत्वावधान में वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल ने शताक्षी शर्मा को सर्वश्रेष्ठ वक्ता (हिंदी) एवं पार्थ नारायण सिंह को द्वितीय सर्वश्रेष्ठ वक्ता घोषित किया। स्पर्श त्रिपाठी सर्वश्रेष्ठ वक्ता (अंग्रेजी) एवं स्वपनिल श्रीवास्तव द्वितीय सर्वश्रेष्ठ वक्ता घोषित किए गए। लॉ कॉलेज के डीन डॉ. राजेश बहुगुणा ने बताया कि पर्यावरण संरक्षा, जागरूकता व संबंध शोध को लेकर लॉ कॉलेज देहरादून व 127 इंफैंटरी बटालियन के बीच आपसी सहयोग से कार्य करने का प्रस्ताव भी है। मा.सि.रि.

Rashtriya Sahara
17-9-2021

विशेषज्ञों ने ओजोन परत की महत्ता पर की चर्चा

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

देहरादून।

विश्व ओजोन दिवस पर एफआरआई में कार्यक्रम आयोजित

वन अनुसंधान संस्थान के सम विश्वविद्यालय व एफआरआई के एनविस रिसोर्स सेंटर द्वारा संयुक्त रूप से वृहस्पतिवार को विश्व ओजोन दिवस मनाया गया। आईसीएफआरई के महानिदेशक अरुण सिंह रावत ने वतौर मुख्य अतिथि कार्यक्रम में शिरकत की। इस दौरान उन्होंने ओजोन परत के महत्व और सूर्य की किरणों के हानिकारक हिस्से से पृथ्वी की रक्षा करने में इसकी भूमिका पर प्रकाश डाला।

महानिदेशक ने कहा कि वर्ष 1994 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 16 सितंबर को ओजोन परत के संरक्षण के लिए अंतर्राष्ट्रीय ओजोन दिवस के रूप में घोषित किया था। इसी दिन 1987 में ओजोन परत को नष्ट करने वाले पदार्थों पर अंकुश लगाने के लिए मांट्रियल प्रोटोकाल पर हस्ताक्षर भी किए गए थे। इस वर्ष ओजोन दिवस की थीम 'मांट्रियल प्रोटोकालः हमें हमारे भोजन व टीकों को ठंडा रखना' है। केंद्रीय विवि गया के प्रोफेसर पार्थ सारथी ने ओजोन परत की वर्तमान स्थिति और इसे संरक्षित करने की आवश्यकता पर व्याख्यान दिया। उन्होंने ओजोन परत के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए आने वाली पीढ़ियों के लिए इसे संरक्षित करने पर जोर दिया। ओजोन सांद्रता का एक केस स्टडी भी इस दौरान उन्होंने प्रस्तुत किया। इस अवसर पर केंद्रीय विद्यालयों व नवोदय विद्यालयों के छात्रछात्राओं को ऑनलाइन चित्रकला व निबंध प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। कार्यक्रम का संचालन डा. एचएस गिनवाल व डा. विजेन्द्र पंवार ने किया। कार्यक्रम में सहायक महानिदेशक,एके त्रिपाठी, संस्थान के वन वैज्ञानिक, सम विवि के शिक्षक, शोधार्थी व छात्रछात्राएं मौजूद रही।